हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 206 कानपुर, रविवार 24 जुलाई 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ पावर प्लांट में लाखों की ठगी करने वाले अभियुक्तको पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुजरात दौरे पर पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह, पुलिस मुख्यालय में कंट्रोल रूम का किया उद्घाटन

गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को गुजरात पहुंचे। वह यहां दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। इस दौरान शाह ने गांधीनगर स्थित पुलिस मुख्यालय में सीसीटीवी कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इसके माध्यम से लोग विभाग की वेबसाइट या मोबाइल एप पर ही अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, गृहमंत्री गांधीनगर में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में यातायात प्रबंधन के लिए नियंत्रण कक्ष का भी उद्घाटन करेंगे। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के प्रधानमंत्री बनन के बाद रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया गया। वे भी गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अब द्रौपदी मुर्मू देश की अगली राष्ट्रपति होंगी। जो लोग आदिवासी समाज के विकास की बातें करते हैं, लेकिन असल लोगों को बांटने का काम करते हैं। राजनीति करते हैं। उन लोगों के लिए एक जवाब की तरह है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानियों बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उन्हें शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने तिलक और आजाद को साहस एवं देशभक्ति का प्रतीक बताया। मोदी ने ट्वीट किया, बड़े पैमाने पर होने वाला गणेश उत्सव लोकमान्य तिलक की चिरस्थायी विरासतों में से एक है, जिसने लोगों के बीच सांस्कृतिक चेतना की भावना को प्रज्वलित किया। अपनी एक मुंबई यात्रा के दौरान मैंने लोकमान्य सेवा संघ का दौरा किया, जिसका लोकमान्य तिलक के साथ घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने ट्विटर पर अपने इस दौरे की तस्वीरें भी साझा कीं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैं मां भारती के दो महान सपूतों लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर आजाद को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। ये दो दिग्गज साहस और देशभक्ति के प्रतीक हैं। मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम की एक क्लिप भी साझा की, जिसमें उन्होंने दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी थी। उत्तर प्रदेश में 1906 में जन्मे आजाद ने एक क्रांतिकारी नेटवर्क चलाया और अंग्रेजों के हाथों कभी न पकड़े जाने का संकल्प लिया। पुलिस के साथ 1931 में एक मुठभेड़ के दौरान उन्होंने आजाद रहने के संकल्प पर दृढ़ रहते हुए अपनी जान दे दी। वहीं, 1856 में जन्मे तिलक आजादी के आंदोलन के दौरान उभरे उन नेताओं में शामिल थे, जिन्हें अखिल भारत स्तर पर लोकप्रियता हासिल थी।

राष्ट्रपति कोविंद बोले- दलगत राजनीति से ऊपर उठें पार्टियां, आज देश को करेंगे संबोधित

संसद भवन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का विदाई समारोह का आयोजन हुआ । समारोह में प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा स्पीकर समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद हैं। कोविंद को विदाई पत्र, स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस बीच राष्ट्रपति भवन की ओर से बताया गया कि रामनाथ कोविंद आज रविवार को देश को संबोधित करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति कोविंद ने राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय हित में दलगत राजनीति से ऊपर उठने को कहा। उन्होंने राजनीतिक दलों से यह तय करने को कहा कि लोगों के कल्याण के लिए क्या जरूरी है? संसद के सेंट्रल हॉल में अपने विदाई भाषण में सांसदों को संबोधित करते हुए कोविंद ने शांति और सद्भाव के मूल्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने लक्ष्यों को पाने की कोशिश करने के लिए विरोध करने और दबाव बनाने का अधिकार है, लेकिन उनके तरीके गांधीवादी होने चाहिए। कोविंद ने कहा कि वह हमेशा खुद को बड़े परिवार का हिस्सा मानते हैं, जिसमें सांसद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार की तरह कई बार उनके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें देश के व्यापक हितों के लिए मिलकर काम करना चाहिए। विदाई अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि आज आप सबसे जब मैं विदाई ले रहा हूं तो मेरे हृदय में अनेक पुरानी स्मृतियां उमड़ रही हैं। इसी परिसर में जिसे सेंट्रल हॉल के रूप में जाना जाता है। वर्षों तक न जाने कितने सांसदों के साथ यादगार पल बिताए हैं। पांच साल पहले मैंने इसी स्थान पर शपथ ली है। आप लोगों के लिए मेरे दिल में विशेष स्थान है। यहां मौजूद सभी सांसदों और मंत्रियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी

के लिए यह गर्व की बात है कि आप भारत की जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि मेरे सभी पूर्व राष्ट्रपति मेरे लिए प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। कोविंद ने कहा कि पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंबेडकर के सपनों का भारत बन रहा है।

राहुल गांधी बोले- नो डाटा अवेलेबल सरकार जिसकी कोई जवाबदेही नहीं

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को एनडीए सरकार को नो डाटा अवेलेबल सरकार करार दिया है। राहुल ने कहा कि यह ऐसी सरकार है जो कोई जवाब नहीं देती है और इसकी कोई जवाबदेही नहीं है। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि नो डाटा अवेलेबल (एनडीए) सरकार आपको विश्वास दिलाना चाहती है कि ऑक्सीजन की कमी से कोई नहीं मरा। कोई किसान विरोध प्रदर्शन में नहीं मरा। कोई प्रवासी नहीं मरा। राहुल ने कहा कि कोई डाटा नहीं, कोई जवाब नहीं, कोई जवाबदेही नहीं । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए एक ट्वीट किया था। इस ट्वीट में राहुल

ने पीएम मोदी के पुराने भाषणों की याद दिलाई थी। राहुल ने लिखा कि देश निराशा की गर्त में डूबा है, ये आपके ही शब्द हैं ना, प्रधानमंत्री जी? उस वक्त आप जितना शोर मचाते थे, आज रूपए की कीमत तेज़ी से गिरती देखकर उतने ही मौन हैं।

केजरीवाल का ऐलान– दिल्ली में इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स के खुलेंगे 50 सेंटर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ऐलान किया कि दिल्ली सरकार शहर के 50 केंद्रों पर अंग्रेजी बोलने का कोर्स शुरू करेगी। केजरीवाल ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 12वीं कक्षा पास कर चुका और 18–35 वर्ग का कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में एक लाख विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में दाखिला दिया जाएगा, जहां प्रशिक्षण देकर उनके अंग्रेजी में संवाद के कौशल में सुधार किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि स्पोकन इंग्लिश प्रोग्राम के पहले चरण में, हम 50 केंद्रों में यह पाठ्यक्रम शुरू करेंगे जिसमें एक लाख लोगों को दाखिला दिया जाएगा। 12वीं पास 18–35 आयु वर्ग का कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सकता है। इस कार्यक्रम से उन्हें नौकरियां मिलने और उनके व्यक्तित्व को निखारने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कोर्स के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा लेकिन शुरुआत में लोगों को धरोहर राशि के तौर पर 950 रुपये जमा कराने होंगे। उन्होंने कहा कि यह धरोहर राशि पूर्ण उपस्थिति के साथ कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद लौटा दी जाएगी। यह तीन–चार महीने का कोर्स होगा और इसमें सप्ताहांत और कामकाजी युवाओं के लिए शाम की पाली में पढ़ाई करने के भी विकल्प होंगे। केजरीवाल ने कहा कि दाखिला लेने के लिए अंग्रेजी की सामान्य समझ होनी चाहिए और 8वीं कक्षा तक अंग्रेजी भाषा पढ़ी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार का दिल्ली कौशल उद्यमिता विश्वविद्यालय इस कोर्स का संचालन करेगा। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम होगा क्योंकि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय इसका मूल्यांकन करेगा।

संत विजय दास आत्मदाह मामले में जेपी नड्डा ने किया उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन

राजस्थान के भरतपुर जिले में अवैध खनन और संत विजय दास के निधन ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संत विजय दास आत्महत्या मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया है। कमेटी में राजस्थान भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल मलिक, स्वामी सुमेधानंद सरस्वती और सांसद बृजलाल यादव को शामिल किया गया है। समिति घटनास्थल का दौरा कर जानकारी एकत्रित करेगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को रिपोर्ट सौपेगी। उल्लेखनीय है कि ब्रज क्षेत्र में अवैध खनन रोकने के मांग को लेकर आत्मदाह करने वाले संत विजय दास का शुक्रवार को देर रात दिल्ली से सफदरगंज अस्पताल में निधन हो गया। संत विजय दास के निधन पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने गहलोत सरकार पर निशाना साधा है। राजधानी जयपुर में प्रेस वार्ता में वसुंधरा राजे ने कहा कि संत की मौत के लिए गहलोत सरकार जिम्मेदार है। गहलोत राज में संतों को अपनी मांगें मनवाने के लिए बली देनी पड़ रही है। वसुंधरा राजे ने कहा कि जिस तरह राज्य में संतों को आंदोलन करना पड़े, लोकहित की मांगों को मनवाने के लिए अपनी बली देनी पड़े उस राज्य में इससे बड़ी अराजकता और कोई हो ही नहीं सकती? मैं संत विजय बाबा को श्रद्धाजंलि अर्पित करती हूं तथा शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना करती हूं। वसुंधरा राजे ने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने 27 जनवरी 2005 को बृज क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाई थी। लेकिन कांग्रेस सरकार में आस्था से जुड़े बृज क्षेत्र में अवैध खनन फिर से शुरू हो गया।

इसको रोकने के लिए संतों ने आवाज उठाई थी। जिसे सरकार समय रहते सुन लेती तो, आज एक संत की जान नहीं जाती। संत की मौत पर राजस्थान भाजपा गहलोत सरकार पर हमलावर हो गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने संत की मौत के लिए गहलोत सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहा

है। गहलोत सरकरा ने अवैध खनन को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए है। प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि अफसरों की मिलीभगत से अवैध खनन चल रहा है। संत काफी समय से अवैध खनन रोकने की मांग कर रहे थे, लेकिन गहलोत सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया।

आत्मदाह का प्रयास करने वाले संत विजय दास का निधन, बरसाना ले जाया जायगा पार्थिव शरीर

राजस्थान के भरतपुर जिले के डीग इलाके में आत्मदाह का प्रयास करने वाले साधु विजय दास का शुक्रवार देर रात नयी दिल्ली के अस्पताल में निधन हो गया. घायल साधु को बीते गुरुवार को गंभीर अवस्था में नयी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया था.

दिल्ली में मौजूद पहाड़ी भरतपुर के उपखंड अधिकारी संजय गोयल ने साधु के निधन की पुष्टि की.

विजय दास का पार्थिव शरीर बरसाना ले जाया जाएगा

उन्होंने बताया कि साधु विजय दास का शुक्रवार देर रात 2.30 बजे निधन हो गया. पोस्टमार्टम के बाद विजय दास का पार्थिव शरीर शहर उत्तर प्रदेश के बरसाना ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार होगा. उल्लेखनीय है कि डीग क्षेत्र में खनन गतिविधियों को बंद करने की मांग को लेकर पसोपा में साधु–संतों का आंदोलन चल रहा था. इस आंदोलन के बीच बुधवार को साधु विजय दास ने आत्मदाह का प्रयास किया था. विजय दास को गंभीर हालत में इलाज के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था.

साधु आत्मदाह मामले में जांच समिति गठित

आपको बता दें कि साधु की ओर से आत्मदाह के प्रयास किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक जांच समिति गठित की गई है. भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सतीश पूनिया ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया, जो भरतपुर जाकर तथ्यों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. पार्टी प्रवक्ता के अनुसार समिति में अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ, पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव शामिल हैं.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया था प्रदर्शन

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी साधु आत्मदाह मामले में राज्य सरकार के खिलाफ भरतपुर जिला कलेक्ट्रेट के बाहर धरना दिया था. भाजपा के एक स्थानीय नेता ने भरतपुर में संवाददाताओं से कहा था, ष्राजस्थान की कांग्रेस सरकार हिंदू विरोधी है. साधु संत 550 दिन से खनन के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई.

सम्पादकीय

आदिवासी चेतना के प्रति सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा संताल समुदाय की आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना एक अभूतपूर्व निर्णय है, जो भारतीय राजनीति में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा. वर्ष 1857 के सैनिक विद्रोह से पूर्व 1855 में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध स्वतःस्फूर्त संताल विद्रोह हुआ था, जिसका नेतृत्व सिदो–कान्हू, चांद–भैरो तथा फूलो–झानो ने किया था. ये नेतृत्वकर्त्ता जनजातीय समूह के संताल समुदाय का प्रतिनिधित्व करते थे. द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाकर एनडीए ने अपनी प्रतिबद्धता को नया आयाम दिया है और यह चुनाव में उन्हें मिले अभूतपूर्व समर्थन में भी दिखा है. यह प्रतिनिधित्व सही मायने में झारखंड, बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में बसे संताल समुदाय की राजनीतिक चेतना के प्रति सम्मान के रूप में भी देखा जा सकता है. दलित, वंचित एवं शोषित समुदाय को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन करने की इस पहल की जितनी भी सराहना की जाए, कम है. इस उम्मीदवारी से यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि आदिवासी समाज का रातो–रात कायाकल्प हो जायेगा, लेकिन इतना तो तय है कि भारत दुनिया के सामने यह कह सकेगा कि उसने सत्ता की भागीदारी में उस वर्ग को भी हिस्सेदारी दी है, जिसे श्वेत और अभिजात्य माने जाने वाले समाज व राष्ट्र हीन भावना से देखते रहे हैं.

अमेरिका अपने को दुनिया का सबसे प्रगतिशील राष्ट्र तथा लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक बताता है, लेकिन आये दिन जब वहां की श्वेत अभिजात्य वर्चस्व वाली पुलिस किसी अश्वेत पर नाहक व गैरकानूनी तरीके से गोलियां चलाती है, तो मानवता तार–तार होती दिखती है. कैथोलिक चर्च का दुनियाभर में बोलबाला है, लेकिन आज भी उसके मुख्यालय वेटिकन पर श्वेतों का कब्जा है. इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद ने साफ शब्दों में कहा कि कुरैशियों और अफ्रीकियों में कोई भेद नहीं है, लेकिन वहां आज भी कुरैशियों की बादशाहत कायम है.

भारत में भी शताब्दियों से आदिवासी समाज वंचित रहा है. सल्तनत काल से अंग्रेजी शासन तक इस समाज को कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ा. स्वतंत्र भारत में भी इसका सांस्कृतिक और साहित्यिक शोषण तक किया गया, लेकिन भारतीय पुनर्जागरण के तीसरे चरण में अब इनके महत्व को समझा जाने लगा है.

भारत में लगभग 700 से अधिक छोटे–बड़े आदिवासी समूह हैं. माना जाता है कि आदिवासी ही भारत के मूल निवासी हैं. हालांकि इस पर विद्वान एकमत नहीं है, लेकिन यह तो है ही कि आदिवासियों की जो धार्मिक मान्यता है, वही भारत की मूल अवधारणा है. आदिवासी समुदाय के लोग ज्यादातर पहाड़ी इलाकों या जंगलों में वास करते हैं. ब्रिटिश भारत में 1871 से लेकर 1941 तक हुई जनगणनाओं में आदिवासियों की अन्य धर्मों में गिनती की गयी थी. आजाद भारत में वर्ष 1951 की जनगणना के बाद से आदिवासियों को अलग धर्म में गिनना बंद कर दिया गया. वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार आदिवासियों की संख्या 1,91,11,498 थी, जो 2001 में 8,43,26,240 हो गयी. तब आदिवासी समाज देश की जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत था. आदिवासियों की संस्कृति की दृष्टि से उनके चार प्रमुख वर्ग हैं– परसंस्कृति प्रभावहीन समूह, परसंस्कृतियों द्वारा अल्प प्रभावित समूह, परसंस्कृति द्वारा प्रभावित, किंतु स्वतंत्र सांस्कृतिक अस्तित्व वाले समूह तथा वे आदिवासी समूह, जिन्होंने परसंस्कृतियों का स्वीकरण इस मात्रा में कर लिया है कि अब वे केवल नाम मात्र के आदिवासी रह गये हैं. आदिवासियों का प्रकृति से गहरा संबंध है, जो उन्हें एक अलग दृष्टिकोण देता है. वर्तमान में प्रकृति पूजक आदिवासी मौजूदा शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं क्योंकि विकास योजनाएं तथा नीतियां आदिवासियों के मूल स्वभाव तथा अस्मिता के विपरीत बनाये जाते रहे हैं. आदिवासी क्षेत्रों में अन्य सामाजिक व आर्थिक पक्षों की भांति शिक्षा की कमी गंभीर समस्या रही है. वर्ष 1950 के पूर्व आदिवासियों को शिक्षित करने हेतु भारत सरकार के पास कोई प्रत्यक्ष योजना नहीं थी, लेकिन स्वतंत्रता के बाद विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों द्वारा उनकी शिक्षा में प्रगति तो हुई है, लेकिन राजनीतिक और धार्मिक संवेदना का उद्‌गार आज भी देखने को नहीं मिलता है. साक्षरता में वृद्धि के बावजूद आज भी कई दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी शिक्षा से वंचित हैं. भारतीय संविधान में आदिवासी समाज को विशेष दर्जा उनकी पहचान, संस्कृति, रीति–रिवाज, परंपराओं को बनाये रखने तथा उनके संरक्षण के लिए दिया गया है. आदिवासियों के लिए संविधान में 5वीं अनुसूची है क्योंकि आदिवासी इलाके आजादी के पहले से ही कई मामलों में स्वतंत्र थे.

द्रौपदी मुर्मू का भारत के प्रथम नागरिक के रूप में चुना जाना झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल एवं समस्त भारत के आदिवासी समाज में राजनीतिक क्रांति का सूत्रपात है. यह कालांतर में भारत की एकात्म परंपरा को न केवल शक्ति प्रदान करेगा, अपितु यह समाज सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रहरी के रूप में उठ खड़ा होगा. बाबासाहब आंबेडकर को आत्मसंतोष मिल रहा होगा कि भारत को जो उन्होंने दिया,

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

=== आयकर दिवस – 24 जुलाई ===

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने 24 जुलाई 2022 को 162वां आयकर दिवस मनाने जा रहा है. भारत में, आयकर दिवस हर साल 24 जुलाई को मनाया जाता है, क्योंकि सर जेम्स विल्सन ने भारत में पहली बार 24 जुलाई 1860 को आयकर पेश किया गया था.इस कर का उद्देश्य 1857 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता के पहले युद्ध के दौरान ब्रिटिश शासन को हुए नुकसान की भरपाई करना था. 24 जुलाई को पहली बार 2010 में आयकर दिवस के रूप में मनाया गया था । वर्ष 1860 से अब तक विभाग हमेशा ही सबसे खास रहा. आजादी के बाद तो आयकर ही देश में राजस्व और सरकारी खजाना जुटाने का प्रमुख माध्यम रहा. आजादी से अब तक बीते सात दशक में आयकर प्राप्ति में चार हजार गुना तक की वृद्धि करते हुए विभाग ने हजारों करोड़ रुपए का लक्ष्य प्राप्त किया है ।

आयकर दिवस से पहले का सप्ताह देश भर में आईटी विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय अपने अपने टारगेट का लेखा जोखा तैयार करते हैं. करों के भुगतान को मूल्य मानदंड के रूप में बढ़ावा देने के लिए और संभावित करदाताओं को संवेदनशील बनाने के लिए देश भर में कई कार्यक्रम हर साल आयोजित किए जाते हैं । करों का भुगतान सभी नागरिकों का एक नैतिक कर्तव्य है. ये समझाने के लिए कई बार विभाग आकर्षक ऑफर लाकर टैक्स चोरी करने वालों को कर अदा करने का मौका भी देते हैं । 24 जुलाई, 1860 को सर जेम्स विल्सन द्वारा भारत में 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए भारत में आयकर पेश किया गया था।

आयकर दिवस से पहले का सप्ताह देश भर में आईटी विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित है।

करों के भुगतान को मूल्य मानदंड के रूप में बढ़ावा देने के लिए और संभावित करदाताओं को संवेदनशील बनाने के लिए देश भर में कई आउटरीच कार्यक्रम आमतौर पर हर साल आयोजित किए जाते हैं कि करों का भुगतान सभी नागरिकों का एक नैतिक कर्तव्य था ।

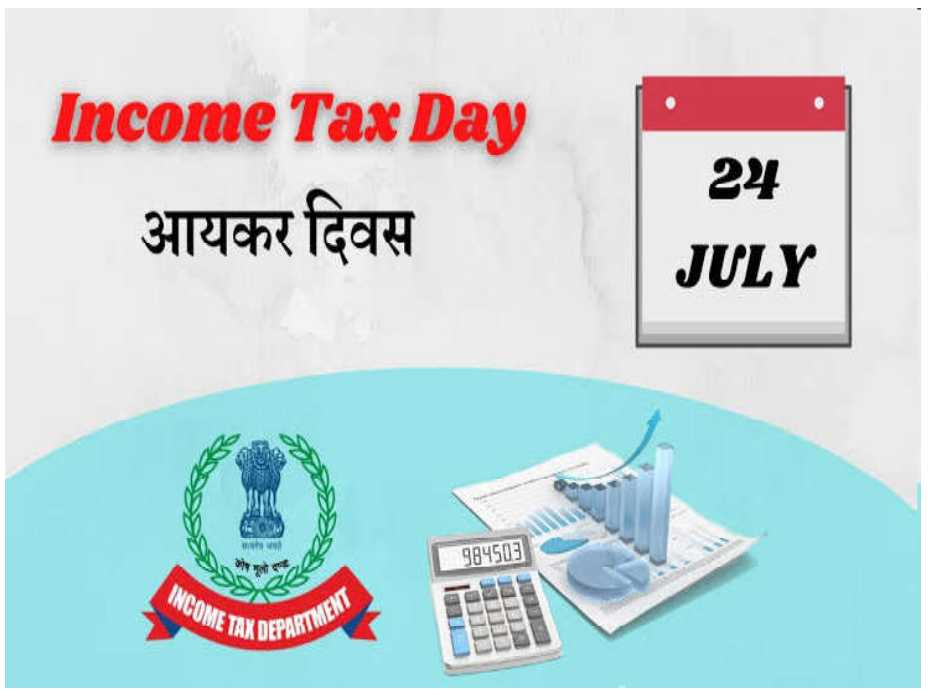

श्रीलंका की बड़ी आबादी खा रही कम खाना, खाद्य मुद्रास्फीति 80 फीसदी से अधिक, लाखों लोग भूख से बेहाल

श्रीलंका की आर्थिक हालत बद से बदतर हो गई है. देश में इस कदर आर्थिक संकट छाया हुआ है कि हर ओर हाहाकार मचा हुआ है. देश में खाने–पीने के सामान के भाव आसमान छू रहे हैं. इसी कड़ी में विश्व खाद्य कार्यक्रम के निदेशक अब्दुर रहीम सिद्दीकी ने कहा है कि श्रीलंका हाल के इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है. उन्होंने कहा कि जून तक, खाद्य मुद्रास्फीति 80 फीसदी से अधिक है. उन्होंने आशंका जाहिर करते हुए कहा कि आने वाले समय में इसकी संभावना ज्यादा है कि स्थिति और बिगड़ेगी.

एक चौथाई आबादी अपना रही खाद्य–आधारित मुकाबला तंत्ररू अब्दुर रहीम सिद्दीकी का कहना है कि आर्थिक रूप से बदहाल श्रीलंका में खाने पीने के सामानों की इतनी किल्लत है कि लोग मुकाबला तंत्र अपना रहे हैं. इसका मतलब है कि वो सामान्य से कम खा रहे हैं या वो युवाओं और अपने से छोटे सदस्यों को ज्यादा वरीयता दे रहे हैं. गौरतलब है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण 50 लाख से ज्यादा लोगों में खाद्य संकट गहरा रहा है.

श्रीलंका संकट का जल्द समाधान निकालना होगा– संयुक्त राज्यरू इधर, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने कहा है कि श्रीलंका की बदहाल आर्थिक स्थिति की ओर दुनिया के देशों को तुरंत ध्यान देना होगा. उन्होंने कहा है कि न केवल मानवीय एजेंसियों बल्कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और अन्य देशों को भी संकट से जूझ रहे इस देश की मदद के लिए आगे आना चाहिए. संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेषज्ञों ने श्रीलंका में आसमान छूती मुद्रास्फीति, जिसों की ऊंची कीमतें, ऊर्जा की कमी, बढ़ते ईंधन संकट और बदहाल आर्थिक स्थिति को लेकर चिंता जताई है.

गौरतलब है कि आर्थिक संकट से दो–चार हो रहे श्रीलंका में विदेशी मुद्रा भंडार पूरी तरह खत्म हो गया है. हालात ये हैं कि, श्रीलंका ईंधन, खाद्य और अन्य जरूरी वस्तुओं की भारी कमी का सामना कर रहा है. एक बड़ी आबादी कम खाना खा रही है. वहीं, ईंधन की भारी कमी के कारण पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन लग रही है.

सपा से राहें जुदा होने के बाद ओपी राजभर बनाएंगे नया फ्रंट, बसपा के साथ खेल सकते हैं नई पारी

माजवादी पार्टी ने ओम प्रकाश राजभर और शिवपाल सिंह यादव को लेकर बड़ा फैसला लिया है. पार्टी ने शनिवार को एक खुला खत लिखा है. इसमें शिवपाल सिंह यादव और ओमप्रकाश राजभर को जवाब दिया है. सपा ने पत्र में साफ कहा है कि शिवपाल कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं. पार्टी ने लिखा– माननीय शिवपाल सिंह यादव जी, अगर आपको लगता है, कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहां जाने के लिए आप स्वतंत्र हैं. वहीं इस पत्र के आने के बाद ओपी राजभर ने बड़ा बयान दिया है.

ओपी राजभर ने कहा है कि समाजवादी पार्टी ने साफ कर दिया है उनको हमारी अब कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि वह अखिलेश यादव के तरफ से दिए गए तलाक का स्वागत करते हैं. सपा की तरफ से तलाक हो गया और हमने उसे कबूल कर लिया है. उन्होंने साथ ही तंज भरे लहजे में कहा कि ईश्वर करें कि अखिलेश यादव कभी एसी से बाहर न निकलें. ओपी राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव चमचों और सलाहकारों से घिरे हुए हैं. सपा की चिट्ठी का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वह किसी के गुलाम नहीं हैं. समाजवादी पार्टी की ओर से जारी चिट्ठी के बाद उनके अगला राजनीतिक कदम के बारे में पूछने पर सुभासपा प्रमुख ने कहा कि वह बसपा प्रमुख दरवाजा खटखटाएंगे.उन्होंने कहा कि जल्द ही वह अपना अगला कदम बताएंगे. सपा से अगल होने के बाद ओपी राजभर ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वह आने वाले दिनों में बहुजन समाज पार्टी के साथ दिखाई दे सकते हैं. मीडिया से बात करते हुए ओपीराजभर ने बसपा प्रमुख मायावती की तारीफ भी की.

मनरेगा ने ग्रामीण लोगों को कोरोना महामारी से लड़ने में की मदद, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किया खुलासा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने कोरोना महामारी के तनाव से निपटने में ग्रामीणों की मदद में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. साथ ही उनके लिए महामारी से पहले के समय की तुलना में अधिक कार्यदिवस उत्पन्न हुए. यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी दे दी.

मनरेगा से लोगों को मिला लाभ

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने महामारी के दौरान श्महिलाएं, अनुभव और अवसरश विषयक एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2019 में कुल 260 करोड़ व्यक्ति कार्यदिवस बनाए गए और 2021 में यह संख्या बढ़कर 390 करोड़ व्यक्ति कार्यदिवस हो गई. मनरेगा एक श्रम कानून और सामाजिक सुरक्षा पहल है, जिसका उद्देश्य काम के अधिकार की गारंटी देना है.

मनरेगा ने कोरोना के दबाव से निपटने में की मदद

नागेंद्र नाथ ने कहा कि मनरेगा ने कोविड–19 महामारी के दबाव से निपटने में ग्रामीण समुदायों की जरूरतों को पूरा करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. चर्चा में मौजूद शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए योजना को एक उपकरण के रूप में लागू करने का आह्वान किया. येल विश्वविद्यालय के मैकमिलन सेंटर में दक्षिण एशिया अर्थशास्त्र अनुसंधान निदेशक चौरिटी ट्रॉयर मूर ने कहा कि नीति स्वयं महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सीधे आकार दे सकती है और उन कुछ प्रतिबंधात्मक लिंग मानदंडों को भी आकार दे सकती है, जो महिलाओं को श्रम कार्यबल में प्रवेश करने से रोकती हैं.

मनरेगा में कोरोना के दौरान शहरी श्रम बल की भागीदारी रही कम

उन्होंने कहा, श्श्इस (ग्रामीण) परिदृश्य में पुरुष वास्तव में अपनी पत्नियों के काम करने को सामाजिक कलंक या बदनामी के रूप देखते हैं. पुरूषों में यह धारणा है कि अगर उनकी पत्नी घर से बाहर काम करती है, तो उनके पूरे समुदाय को यह संकेत जाएगा कि वह गरीब है.श्श येल शहरी श्रम बल की भागीदारी कम थी, लेकिन अपेक्षाकृत स्थिर थी.

पावर प्लांट में लाखों की ठगी करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर । सजेती थाना अंतर्गत नवेली पावर प्लांट में लाखों रुपए की ठगी कर भागे आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार जानकारी के अनुसार बता दें कि नौकरी के दौरान लाखों की ठगी करने वाले कर्मचारी को थाना सजेती पुलिस ने किया गिरफ्तार बता दें कि वांछित अभियुक्त राकेश रोशन झा पुत्र रमाकांत झा निवासी सहरसा बिहार उम्र 34 वर्ष को मुखबिर की सटीक सूचना पर माती न्यायालय कानपुर देहात गेट के सामने सड़क से उसे गिरफ्तार किया गया है अभियुक्त 2020 से वांछित चल रहा था नवेली पावर प्लांट में नियुक्ति के दौरान फर्जी तरीके से धोखाधड़ी करके 70लाख रुपए का गमन किया था एसपी आउटर तेजस्वरूप सिंह ने थाना सजेती पुलिस को अभियुक्त को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के दिए थे निर्देश जिस पर पुलिस ने शक्ति के साथ छानबीन की शुरू जानकारी पर राकेश रोशन झा नाम व निवास बदल बदल कर कर रहा था जैसे कि दिल्ली, नोएडा, मुजफ्फरनगर, सहरसा, जिसके चलते पुलिस को काफी दिक्कतों के बाद माती मुख्यालय गेट के सामने से सटीक लोकेशन पर गिरफ्तारी की गई अभियुक्त के खिलाफ पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है । गिरफ्तार करने वाली टीम में सजेती थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह, उप निरीक्षक राम मूरत पटेल, हेड कांस्टेबल राजमणि शामिल रहे ।

रेलवे अंडरपास के पास मिला युवक का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

कानपुर । नरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत करबिगवा सूबेदार खेड़ा अंडरपास के पास एक युवक का शव मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। डायल 112 और नरवल पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त के प्रयास में जुट गई है। पुलिस ने शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में युवक का फोटो भेजा है और प्रधानों की मदद से पहचान में जुटी हुई है। शनिवार को सूबेदार खेड़ा गांव में बने अंडरपास के समीप ग्रामीणों ने एक अज्ञात युवक का शव देखा। लोगों ने फोन से घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर आसपास के ग्रामीणों की मदद से शिनाख्त का प्रयास किया। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह एक अज्ञात युवक का शव देखा गया। मृतक युवक की उम्र तकरीबन 30 वर्ष है। मृतक युवक की आंख के पास

चोट के निशान हैं। सीओ सदर संग्राम सिंह मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उन्होंने बताया कि एक युवक का शव मिला है। पुलिस शव की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। एसपी आउटर कानपुर नगर तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में स्थानीय पुलिस के संज्ञान में है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रभारी निरीक्षक नरवल रामबाबू सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि अज्ञात युवक के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। आसपास के गांवों में प्रधानों की मदद से और थानों में फोटो भेजे गए हैं। जल्द ही युवक की शिनाख्त कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

आवाजीपुर गांव में निकला मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

फतेहपुर । जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र में मगरमच्छ से लोगों में दहशत व्याप्त है बताते चलें कि जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र के आवाजीपुर गांव में एक विशाल मगरमच्छ गांव के अंदर घूमता मिला जिससे लोगों में दहशत व्याप्त है लोगों ने बताया कि जब से यह बारिश का मौसम शुरू हुआ तब से बड़े–बड़े मगरमच्छ आए दिन गांव में घूम रहे हैं तालाबों में पानी भर गया है जमुना पट्टी के गांव में अक्सर यह घटनाएं होती रहती हैं इस घटना की सूचना ग्राम प्रधान मोहम्मद महबूब को दी गई ग्राम प्रधान ने इस घटना की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी मौके पर पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया ग्रामीणों का कहना है कि गांव के अंदर बने तालाब में सर्च अभियान चलाया जाए उसके अंदर जो मगरमच्छ हैं उनको निकालकर यमुना नदी में डाल दिया जाए नहीं तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है इस घटना को लेकर ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है ।

'हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आ जाने से एक व्यक्ति बुरी तरह झुलसा, डॉक्टरों ने कानपुर किया रिफर'

हमीरपुर'–कुरारा क्षेत्र के मलहरा गांव निवासी ग्रामीण के टैंकर में निजी नलकूप से पानी भरते समय हाई टेंशन लाइन के तार की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। तथा चेहरा झुलस गया परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर गए वहाँ से हालत गम्भीर होने पर कानपुर रिफर किया गया है। क्षेत्र के मलहरा गांव निवासी राकेश यादव के बड़े भाई शिवकुमार का चार दिन पूर्व बीमारी के चलते निधन हो गया था। जिसकी नव बार शुद्धता के लिए गांव के बाहर लगे निजी नलकूप से टैंकर में पानी भरने गया था। टैंकर में पानी भरते समय वह टैंकर के ऊपर चढ़कर ढक्कन खोलने लगा तथा ऊपर हाई टेंशन लाइन के तार लटक रहे थे। जिनसे टकरा गया तथा करेंट लगने से नीचे आकर गिर गया।

जानकारी मिलने पर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल गए वहां से गम्भीर हालत होने पर कानपुर रिफर किया गया है। उसके चेहरे व हाथ में झुलस गया है।

बदमाशों ने व्यापारियों को पीटा, लोडर न रोकने पर आगे लगाई बाइक

बिधनू थाना में तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

कानपुर । बाइक सवार बदमाशों ने लोडर सवार व्यापारियों को रोककर उनसे मारपीट की। व्यापारियों ने किसी तरह उनसे अपनी जान बचाई। शनिवार सुबह व्यापारियों ने बिधनू थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच कर रही है। पतारा कस्बा निवासी दीपचंद्र साहू की कस्बे में ही किराने की दुकान है। शुक्रवार देर रात वह साथी व्यापारी अमित द्विवेदी के साथ उनके लोडर से कानपुर में मार्केट कर पतारा लौट रहे थे। बिधनू थाना क्षेत्र के हरबसपुर गांव के पास पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने हाथ देकर लोडर रोकने का इशारा किया, लेकिन व्यापारियों ने लोडर नहीं रोका। जिसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने पीछाकर लोडर के आगे बाइक

लगा दी। इसके बाद व्यापारियों से मारपीट शुरू कर दी। व्यापारियों ने किसी तरह खेतों की ओर भागकर अपनी जान बचाई।

व्यापारियों को पीटने के दौरान एक बदमाश बोल रहा था की मैं रवि यादव हूं गढ़ेवा का रहने वाला। नाम याद रखना। कहीं शिकायत की तो जिंदा नहीं छोड़ूंगा। शनिवार सुबह उप्र आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बिधनू थाना पहुंचकर पीड़ितों ने तहरीर दी। थानाध्यक्ष प्रेमचंद्र शर्मा ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

बिंदकी कस्बे में छाया बंदरों का कहर

स्कूल से वापस आ रही दो छात्राएं घायल

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कस्बा क्षेत्र में बंदरों का कहर छाया हुआ है जहां पर आए दिन किसी न किसी को घायल कर रहे हैं बताते चलें की बिंदकी कस्बा के नगर पालिका के सामने स्कूल से वापस आ रही दो छात्राओं को घायल कर दिया छात्रा प्रिंसी देवी उम्र20 वर्ष पुत्री प्रेम शंकर निवासी जहान पुर मोनिका देवी पुत्री वीरेंद्र कुमार निवासी सरकंडी जोकि महिला महाविद्यालय की छात्रा है वह दोपहर 2 बजे स्कूल से वापस आ रही थी तभी नगरपालिका के सामने बंदरों के झुंड ने निशाना बना कर लिपट गए घबराई छात्रों ने इधर उधर भागना शुरू कर दिया तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक झुंड से टकरा गया जिसमें 2 छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गई मौजूद लोगों ने दोनों छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जहां पर उनका इलाज किया जा रहा है इस घटना की सूचना परिजनों को भी दी गई है मौके पर पहुंचे परिजनों ने हालचाल लिया और इलाज कराया जा रहा है ।

बारिश के चलते डोमनपुर-उन्नाव सम्पर्क मार्ग टूटा, ईंट की दीवार बनाकर बंद किया रास्ता

कानपुर । लगातार हो रही बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। इससे डोमनपुर से गढेवा उन्नाव सड़क मार्ग का संपर्क टूट गया है। इस मार्ग से लोगों के न जाने के लिए ईंट का रास्ता बनाया गया है। गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर की वजह से नरवल तहसील प्रशासन सतर्क हो गया है। बारिश से डोमनपुर–उन्नाव गंगा पुल ध्वस्त हो गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित है। लोक निर्माण विभाग ने ईंट की दीवार बनाकर डोमनपुर से गढेवा उन्नाव जाने वाले मार्ग को पूरी तरह से बंद किया गया है। ईंट की मोटी दीवार बनाई गई है, ताकि कोई भी गलती से भी मार्ग से जा न

सके। तहसीलदार संजय सिंह ने बताया कि बारिश के चलते घाटों के किनारे बसे गांवों की परेशानी बढ़ जाती है। सभी गांव के लोगों को सतर्क किया गया है। प्रशासन गांव के ग्राम प्रधानों से लगातार संपर्क बनाए हुए है। प्रभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन टीमों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ की स्थिति बनने पर तत्काल ग्रामीणों को मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

जहरीले सर्प के काटने से एक युवक घायल एक की इलाज के दौरान मौत

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में खेत में काम कर रहे युवक को जहरीले सर्प ने काट लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है बताते चलें कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के पारा दान गांव निवासी निर्मल कुमार उम्र 30 वर्ष पुत्र चुन्नीलाल जो कि अपने खेतों में घास काट रहा था तभी छिपे जहरीले सर्प ने उसे काट लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई सूचना पर खेत पहुंचे परिजनों ने आनन–फानन निजी वाहन से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है इधर थरियांव थाना क्षेत्र के बहरामपुर गांव निवासी पप्पू उम्र 35 वर्ष जो कि अपने घर की साफ सफाई कर रहे थे तभी कहीं छुपे जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया जिससे

उनकी हालत गंभीर हो गई परिजनों ने आनन–फानन सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जिला अस्पताल पहुंचने के पहले ही पप्पू ने दम तोड़ दिया इसकी सूचना परिजनों को होते ही कोहराम मच गया परिजनों ने इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है ।

कुरारा पुलिस ने मारपीट का मुकदमा किया दर्ज

'हमीरपुर'–कुरारा थाना क्षेत्र के पडुई गाँव निवासी महिला ने नाली साफ करते समय गाली गलौज व मना करने पर मारपीट करने की तहरीर थाने में दी है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के पडुई गाँव निवासी महिला सोमवती पत्नी चेतराम ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 18 जुलाई को सुबह अपने दरवाजे के सामने नाबदान की सफाई कर रही थी। तभी मोहल्ले राजेन्द्र व उसकी पत्नी रानी, पुत्री सरोजनी ने आकर गाली गलौज किया तथा सफाई करने से रोका जब मैने गाली देने से मना किया तो तीनो ने मिलकर मारपीट की। जिससे मेरे शरीर में चोट आई है।

अमौली जिला पंचायत सदस्य रमादेवी का निधन

फतेहपुर । जनपद के अमौली जिला पंचायत सदस्य रमा देवी का निधन हो गया है जिससे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है बताते चलें कि जनपद के अमौली जिला पंचायत क्षेत्र की सदस्य रमा देवी काफी समय से अस्वस्थ चल रही थी जिनका इलाज लखनऊ के पीजीआई हॉस्पिटल में चल रहा था।

लंबी बीमारी के चलते जिला पंचायत सदस्य रामादेवी का शनिवार सुबह निधन हो गया परिजनों में रो रो कर बुरा हाल है क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर व्याप्त है । परिजनों से बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि रमा देवी का शव अमौली लाया जाएगा अंतिम संस्कार हेतु व शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए क्षेत्र के सम्मानित लोग अमौली पहुंचे जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा ।

प्राथमिक विद्यालय से महिला शिक्षामित्र की लाखों के जेवरात चोरी

प्रधानाचार्य सहित तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर । जनपद के भिटौरा विकास खंड क्षेत्र के घंसूरपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत महिला कोमल देवी ने बताया कि वह भिटौरा विकासखंड क्षेत्र के घंसूरपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा मित्र के रुप मेंतैनात हैं पीड़ित शिक्षामित्र ने बताया कि वह है 9 मई2022 को अपने मायके एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी इसके बाद 13 मई सन 2022 को वह वापस सीधे प्राथमिक विद्यालय पहुंची बताया कि उसमें लाखों रुपए के जेवरात पहने हुई थी जिसे उतारकर बैग में रखकर प्रधानाचार्य की ऑफिस में रख दिया और ताला बंद कर प्रधानाचार्य को चाबी दे दी इसके बाद ऑफिस से चाक लेकर कक्षा में पढ़ाने चली गई इसके बाद स्कूल बंद होने का समय जब देखा कि उनका बैग वहां से गायब है तो उन्होंने प्रधानाचार्य शीला देवी से बात की तो उन्होंने टालमटोल किया पीड़ित महिला कोमल देवी ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस को की मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन किया इसके बाद तहरीर देने की बात कही पीड़ित महिला ने प्रधानाचार्य शीला देवी रसोईया पूनम देवी व निर्मला देवी के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया है थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया था कुछ समय बाद थाना प्रभारी का तबादला हो

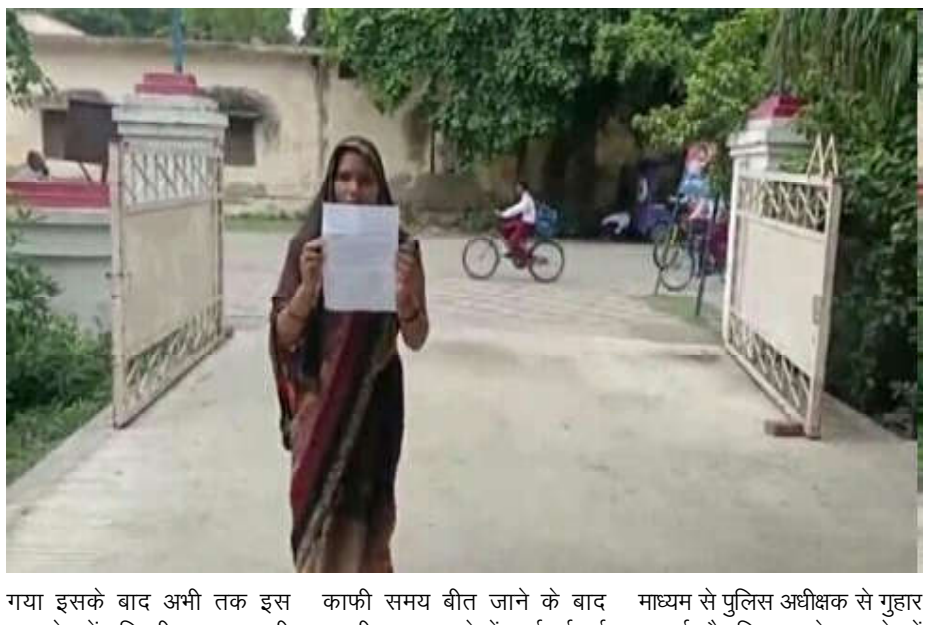

गया इसके बाद अभी तक इस मामले में किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई पीड़ित महिला ने थाने के चक्कर लगाती रही काफी समय बीत जाने के बाद ना ही उस मामले में कार्रवाई हुई और ना ही उसके जेवरात वापस मिले पीड़ित महिला ने तहरीर के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि उनके मामले में कार्रवाई की जाए और उनके जेवरात वापस दिलवाए जाएं ।

बढ़े गंगा जलस्तर और भारी कटान में बहा गढेवा मार्ग, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

उन्नाव । तहसील बीघापुर के गढ़ेवा कानपुर नगर संपर्क मार्ग गंगा के कटान का निरीक्षण करने पहुंचे जिला अधिकारी रविंद्र कुमार व पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार त्रिपाठी ने गंगा के बढ़ते जलस्तर और हो रहे भारी कटान का स्थलीय निरीक्षण किया। बड़े गंगा जलस्तर और गंगा कटान में बहा गढेवा कानपुर मार्ग, यातायात प्रभावित । उन्नाव अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी ने पुल के दोनों ओर ईंट डालकर रुकवाया आवागमन । पुल पर लोगों को ना जाने की दी है सख्त हिदायत।तेज़ बारिश और कटान से बहे बीघापुर तहसील

के गढेवा कानपुर मार्ग का किया को देखने के बाद जिलाधिकारी ने आवश्यक निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को दिए उचित दिशा निर्देश, अधिशासी अभियंता सिंचाई को लगाई कड़ी फटकार उन्होंने कहा कि पहले से ही सड़क के किनारे कटान रोकने के लिए प्रबंध क्यों नहीं किए गए।

एसडीएम ने कटान स्थल का लिया जायजा, जलस्तर की निगरानी कर दिए आवश्यक निर्देश

उन्नाव । बारिश के चलते पश्चिम के बांधों से गंगा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। जिससे शुक्लागंज में तेजी से पानी फैलने लगा है। डीएम के निर्देश पर एसडीएम सदर ने कटान स्थल रविदास नगर का निरीक्षण किया। इसके साथ ही शारदा नहर सिंचाई खंड के अधिकारियों से कटान रोकने को लेकर चर्चा की। हालांकि दो दिनों से केन्द्रीय जल आयोग गंगा के जलस्तर में गिरावट बता रहा है। डीएम ने रविदास नगर में कटान रोके जाने के लिए शारदा नहर सिंचाई खंड को एक माह पहले निर्देश दिया था। जिस पर विभाग ने कटान स्थल पर 300 मीटर तक जिओ बैग और परक्यूपाइन डाला था। जिसकी हकीकत देखने के लिये डीएम के निर्देश पर एसडीएम सदर सत्यप्रिय सिंह रविदास नगर पहुंचे। जहां सिचाई विभाग के जेई जय प्रकाश, राजस्व लेखपाल मनोज यादव के साथ कटान क्षेत्र में किये गये प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान बारिश के कारण आबादी से निकलने वाले पानी से गंगा की तरफ मिट्टी कटान देखकर उसे रोकने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही जिम्मेदारों को गंगा के बढ़ते–घटते जलस्तर को देखते हुए कटान प्रभावित इलाके का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने की बात कही गई। एसडीएम सत्यप्रिय सिंह ने बताया कि उन्होंने रविदास नगर कटान स्थल का निरीक्षण किया है। कटान रोकने के लिये

डाले गये जिओ बैग और परक्यूपाइन को भी देखा है। निरीक्षण करने के साथ ही उनकी वास्तविक स्थिति भी देखी है। जहां बारिश होने से बस्ती के पास पानी गिरने से मिट्टी कट रही है। उसके लिये सिंचाई विभाग को खांदी बनाने के साथ ही स्लोब बनाने के निर्देश दिये हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, यही है भाजपा का विकास

एसडीएम को सौंपा राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन

हमीरपुर । विकास के बड़े–बड़े दावे कर बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे का उद्घाटन कर दिया गया। तो पहली ही बारिश नहीं झेल सका, यही भाजपा का विकास है। वह सरकारी संस्थानों का दुरुप्रयोग कर लोकतांत्रिक प्रणाली पर कुठाराघात कर लोकतांत्रिक व्यवस्था थोपने, हिंदू मुस्लिम कार्ड खेलकर समाज को आपस में लड़ाने का षड़यंत्र करने सहित अन्य मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु सैनी ने कहा कि जब से देश में भाजपा नीति की सरकार सत्तासीन हुई है। तब से लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोटने का काम कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इंद्रिरा गांधी

की तुलना में अपने आप को खड़ा करने के लिए प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के निर्माण में जनता की गाढ़ी कमाई के अरबों रुपये मिट्टी में मिलाने का कार्य समय से पूर्व कर दिखाने की होड़ में जल्दबाजी के चलते उद्घाटन कराया। एक्सप्रेस–वे पहली ही बारिश भी नहीं झेल सका और कई स्थानों पर धंस गया। वहीं सरकार ईडी व सीबीआई का दुरुप्रयोग कर विपक्षी दलों के राजनेताओं का मानसिक, सामाजिक उत्पीड़न कर रही है। जो लोकतांत्रिक के लिए खतरा है। भाजपा हिंदू मुस्लिम कार्ड खेलकर समाज को आपस में लड़ाने का षड़यंत्र चला रही है, जो राष्ट्र की एकता, अखंडता के लिए खतरा है।

मलेरिया अधिकारी ने की संचारी रोग अभियान की समीक्षा, बुखार से पीड़ित मरीजों की मांगी सूची

उन्नाव । संचारी रोग अभियान का जिला मलेरिया अधिकारी आरसी यादव ने सत्यापन किया। साथ ही रोगों से बचाव के बारे में हो रही पहल के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मलेरिया निरीक्षक विकास कुमार वर्मा ने सुमेरपुर पीएचसी के ग्राम पंचायत हिन्दूखेड़ा, लालाखेड़ा, छिछऊखेड़ा और सुमेरपुर में निरीक्षण किया। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बुखार रोगियों की सूची मांगी। साथ ही क्षय रोग के लक्षण वाले लोगों की सूची तथा कुपोषित बच्चों की सूची तैयार कर एनएनएम के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर प्रतिदिन प्रस्तुत करने को कहा। मलेरिया निरीक्षक ने निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई पर जो दिया।

कहा कि एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, नाला–नालियों की सफाई, तालाब, पोखरा के पास की झाड़ियों की सफाई, सूअरबाड़ों की सफाई और कीटनाशक का छिड़काव सौ फीसदी सुनिश्चित कराया जाए। निरीक्षण के दौरान शैलेंद्र सिंह स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, आशा कृष्णा अवस्थी, राजकुमारी व सविता उपस्थित रही।

एक करोड़ की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच । खैराघाट पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 2 किलो चरस भी जब्त किया। इसकी बाजार में कीमत 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। तस्कर के कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। खैरीघाट थानाध्यक्ष निखिल श्रीवास्तव ने कहा, मुखबिर से सूचना मिली कि एक तस्कर नेपाल से चरस लेकर बहराइच बेचने जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष ने एसआई संजय यादव, सिपाही दयानंद सिंह, बलराम त्रिपाठी, आलोक शुक्ला व रूपेंद्र विश्कर्मा को मौके पर भेजा। खैरीघाट थानाध्यक्ष ने कहा, टीम ने मुखबिर की सूचना पर अलीनगर बाजार पहुंचे। वहां पर एक व्यक्ति को आता देख चारों ओर से घेराबंदी करते हुए रोका। युवक की तलाशी के दौरान दो किलो चरस बरामद हुआ। पूछताछ में तस्कर की पहचान अलीनगर गांव निवासी मेराज के रूप में हुई । थानाध्यक्ष ने कहा, पकड़े गए तस्कर के पास से बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय कीमत एक करोड़ रूपये आंकी गई है। तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया। खैरीघाट थाने में ही तस्कर के खिलाफ 12 मुकदमें दर्ज है।

अंडरपास में फंसी स्कूली वैन, पुलिस ने धक्का लगाकर निकाला, फिर काटा चालान

इटावा । जिले गुरुवार रात से शुरू हुई बारिश रुक–रुक कर लगातार हो रही है। शुक्रवार रात को भी झमाझम बारिश होने के बाद शनिवार शाम को भी बारिश होने से मौसम सुहाना रहा। हालांकि इस वजह से लोगों को परेशानी का सामान करना पड़ा। शुक्रवार को मैनपुरी फाटक के अंडर पास में एक स्कूली वैन फंस गई। इसे यातायात पुलिस ने धक्का देकर बाहर निकाला। रात में बारिश होने के बाद शनिवार दोपहर करीब एक बजे करीब 10 मिनट तक शहर में बारिश हुई। पानी बंद होने के साथ हल्की धूप आने के साथ भीषण उमस हो गई। इससे लोग बेहाल रहे। शाम करीब साढ़े पांच बजे फिर 15 मिनट के लिए बारिश हुई। इधर, गुरुवार रात से शुरू हुई झमाझम बारिश के बाद मैनपुरी अंडरपास पूरी तरह डूब गया था। शुक्रवार को एक ट्रक फंस जाने के बाद नगर पालिका की ने पंप लगवाकर पानी खिंचवाया, लेकिन फिर भी पूरी तरह जलभराव खत्म नहीं हुआ। शनिवार दोपहर नेशनल हाईवे पर स्थित एक स्कूल की वैन 12 बच्चों को लेकर इटावा की ओर आ रही थी। इस बीच कम पानी सोचकर चालक ने वैन अंडरपास में घुसा दी। पानी अधिक वजह से वैन फंस गई। सूचना पर स्कूल प्रबंधन और अधिकारियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची थाना सिविल लाइंस पुलिस और यातायात पुलिस ने वैन को धक्का मारकर सुरक्षित बाहर निकलवाया। उधर, रुक–रुककर हो रही बारिश की वजह से अड्डा जालिम, विजय

नगर, पचावली क्षेत्र, अड्डा श्यामलाल पर भयंकर जलभराव हो गया है।

अंडरपास में भरा पानी निकालने के लिए पंप सेट लगाए गए हैं, लेकिन अभी पानी इतना कम नही हुआ कि यातायात शुरू हो सके। अंडरपास के दोनों तरफ पुलिस ने बैरीकेडिंग लगाई गई है। हालांकि पुलिस कर्मियों की तैनाती न होने की वजह से चालक अंडर पास में वाहन घुसा दे रहे हैं। सिविल लाइन पुलिस ने चालक की लापरवाही पर वैन का चालान कर दिया।

बहराइच रोडवेज का नाम होगा राजा बलभद्र सिंह, बैठक में अधिकारियों ने लगाई मुहर

बहराइच । कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने बैठक की। बैठक में इंदिरा स्टेडियम में बना बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल एवं रोडवेज बस स्टैंडों के नामकरण के संबंध में चर्चा की गई। एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी व बलहा विधायक सरोज सोनकर भी मौजूद रहे। बैठक में क्रीड़ा हॉल का नामकरण स्वतत्रंता सेनानी पं. भगवानदीन मिश्र वैद्य के नाम पर रखने का फैसला लिया गया। भगवानदीन मिश्र ब्राम्हणीपुरा के ही रहने वाले थे। जिन्होंने साल 1930 से 1942 तक आजादी के सत्याग्रह आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। इसी प्रकार रोडवेज बस स्टैंड बहराइच का नामकरण राजा बलभद्र सिंह के नाम पर किया गया। बलभद्र सिंह ग्राम मुरौवा तहसील महसी के निवासी थे। इन्होंने साल 1858 में बेगम हजरत महल के नेतृत्व में उबरी ग्राम (बाराबंकी) में अंग्रेज सेनापति होपग्रांट से लड़ते हुए चहलारी में लगभग 600 सैनिकों के साथ शहीद हुए थे। इसके अलावा रूपईडीहा बस स्टैंड का नाम स्थानीय स्वत्रंता सेनानी रामहर्ष विद्रोही के नाम पर रखने का निर्णय हुआ है। ये ग्राम रामपुर निगहा थाना रूपईडीहा के निवासी थी। इन्हें स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन साल 1942 के दौरान एक साल का कारावास हुआ था।बैठक में डीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर

घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

इसके तहत आगामी 15 अगस्त को हर घर की छत पर तिरंगा फहराएगा। इस मौके पर एसडीएम सदर सुभाष सिंह धामी, जिला क्रीड़ाधिकारी नीरज मिश्रा, नवांगतुक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज डीके तिवारी, उपायुक्त मनरेगा केडी गोस्वामी मौजूद रहे।

एसपी ने छात्र संसद के पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

औरैया । दिबियापुर में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कालेज में कन्या भारती, शिशु भारती छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम मौजूद रही। उन्होंने छात्र संसद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। जिसमें छात्रा चंद्रप्रभा को कन्या भारती, गौरव भारती को छात्र संसद के प्रधानमंत्री और शिशु भारती की कृतिका त्रिवेदी को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने कहा कि छात्र संसद के माध्यम से समस्या का समाधान करें। लक्ष्य को निर्धारित करके अपने कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि शारीरिक विकास भी मानसिक विकास के साथ–साथ बहुत जरूरी है। छात्र ही देश के भविष्य हैं और इन्हीं में से कुछ छात्र आगे चलकर देश और प्रदेश का नेतृत्व करेंगे। इससे छात्रों के अंदर नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। छात्र के लिए समय पालन, अनुशासन और माता–पिता और अपने गुरु जनों का आदर करना नहीं भूलना चाहिए। प्रबंधक नरेंद्र त्रिपाठी ने

छात्रों को छात्र संसद के माध्यम से भारतीय संसदीय प्रणाली को समझने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को उनके दायित्व का बोध कराते हुए अपने–अपने विभाग में सक्रियता से कार्य करने की सलाह दी।मंत्रिमंडल में मोनिका और गुरुवंश को अनुशासन मंत्री, विपिन यादव को चिकित्सा मंत्री, शिल्पी को वंदना मंत्री, दिशा पोरवाल को सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्रालय दिया गया और प्रतीक को सेनापति शिशु भारती का पदभार दिया गया।

कानपुर को मिलेगी नई सौगात, 15 अगस्त से नए रूप में दिखेगा कारगिल पार्क

कानपुर । आजादी का अमृत महोत्सव के बीच शहर के मोतीझील स्थित कारगिल पार्क 15 अगस्त से नए रूप में नजर आएगा। कानपुर स्मार्ट सिटी की ओर से कराए जा रहे इस पार्क के सौंदर्यीकरण के का शनिवार को मंडलायुक्त डॉ. राज शेखर ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने 4. 30 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना के कार्य को हर हाल में 15 अगस्त तक पूरा कराने के निर्देश दिए है। इस पर निर्माण कर रही एमएचपीएल कंपनी ने तय मियाद में काम परा करने का आश्वासन दिया। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट का काम अनुबंध के अनुसार कंपनी को 15 अक्टूबर तक पूरा करना है लेकिन वर्तमान में इसका 80 फीसदी का काम पूरा हो चुका है। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने पूरे परिसर में वीरगति प्राप्त करने वाले देश व कानपुर के महान क्रांतिकारियों के एलईडी ग्लोसाइन लगाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा सिंथेटिक जागिंग ट्रैक के दोनों ओर कुछ जगहों पर मिट्टी के ढेर को जल्द से जल्द हटवाने के लिए कहा। झील के सौंदर्यीकरण के काम को और तेजी से पूरा करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही नगर आयुक्त को पार्क में लगे साउंड सिस्टम को आपरेट करने के लिए आपरेटर व जॉगिंग के लिए बने सिंथेटिक ट्रैक की सुरक्षा के लिए गार्ड नियुक्त करने के

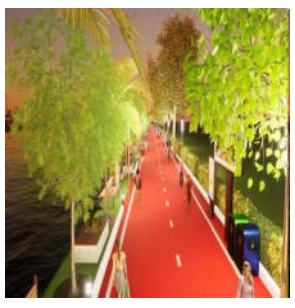

लिए कहा। इसके साथ ही पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरें लगवाने को कहा है।